RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 24 मई 2024 वर्ष 06 अंक 36 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के बयान ने बढ़ाई NDA की टेंशन?

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई के पास डोंबिवली की केमिकल फैक्ट्री में धमाके के बाद लगी भीषण आग...!

बॉयलर फटने से 7 की मौत, 48 घायल

देवेंद्र फडणवीस ने जताया दु:ख...

ठाणे : डोंबिवली एमआईडीसी में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से गुरुवार को भीषण आग लग गई। जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 48 घायल हो गए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, लक्षित आपदा प्रतिक्रिया बल और दमकल विभाग की टीम मौके पर मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक एमआईडीसी क्षेत्र के फेज-दो में स्थित 'अमुदान केमिकल कंपनी'का बॉयलर फटने से आग लगी है। विस्फोट के चलते आसपास की इमारत की खिड़कियों के शीशों में दरारें आ गईं और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं, आग आसपास की फैक्ट्रियोंमें फैल गई। यह घटना दोपहर एक बजकर 40 मिनट के करीब की है।

डोंबिवली बॉयलर ब्लास्ट पर सिविल डिफेंस ऑफिसर बिमल नाथवानी ने कहा, ये घटना दोपहर करीब 1.30 बजे घटी। 1.5 किमी दूर जिस बिल्डिंग में मैं मौजूद था वो हिल गई। मुझे पता चला कि ब्लास्ट हुआ है तो मैंने तुरंत हमारे डिप्टी कंट्रोलर की परमिशन लेकर हमने बचावकार्य जारी किया। हमने अभी तक 7 शव बरामद किए हैं। विस्फोट से कंपन विस्फोट लगभग 5 किमी के दायरे में महसूस किया गया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, दुर्भाग्य से डोंबिवली की घटना में 6 लोगों की जान चली गई और 48 घायल हो गए। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। घायलों का इलाज एम्स, नेप्च्यून और ग्लोबल अस्पतालों में किया जा रहा है और हर तरह की सहायता प्रदान की जा रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव कार्य के लिए विभिन्न टीमें और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हैं। इससे पहले फडणवीस ने इस घटना को दुखद बताते हुए कहा, डोंबिवली एमआईडीसी में अमुदान केमिकल कंपनी में बॉयलर फटने की घटना दुखद है। फंसे हुए 8 लोगों को बाहर निकाला गया है। घायलों के इलाज की व्यवस्था की गई है और ज्यादा एम्बुलेंस तैयार रखी गई हैं। मैंने ठाणे के जिलाधिकारी से बातचीत की है और वे भी मौके पर पहुंच रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, लक्षित आपदा प्रतिक्रिया बल और दमकल विभाग की टीम को बुलाया गया है। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

तेज तूफान, चक्रवात जैसे हालात, हुई भारी बारिश... महाराष्ट्र में अचानक बदला मौसम

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के कई इलाके इनदिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं. विदर्भ और उत्तरी महाराष्ट्र में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है. इन सबके बीच राज्य के कुछ हिस्सों में तूफानी हवाओं और बारिश ने दस्तक दी है. कोंकण और सिंधुदुर्ग में तेज हवाओं के साथ बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है वहीं, कई जगह तबाही के निशान भी छोड़े हैं. तेज हवाओं के कारण चारों ओर धूल भरा गुबार फैल गया. कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए. यवतमाल और अमरावती जिले में केले की फसल को भारी नुकसान हुआ है. सिंधुदुर्ग के ओरोस, सावंतवाड़ी, कुडाल और वेंगुर्ले इलाकों में तूफानी हवाओं के साथ तेज बारिश हुई. सबसे ज्यादा हालत खराब ओरोस में हुए. यहां चक्रवात जैसी स्थिति बन गई. तूफानी हवाओं का एक वीडियो वायरल हो रहा है. यह वीडियो सिंधुदुर्ग इलाके का है, जिसमें तूफानी हवाएं सब कुछ उड़ा ले जा रही हैं.

मुंबई के आर्थिक अपराध शाखा ने रियल एस्टेट निवेशक को 60 करोड़ की धोखाधड़ी की FIR दर्ज की

विशेष संवाददाता

मुंबई। नरेश केसरीमल मेहता ने मुंबई के आर्थिक अपराध शाखा में 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में पवन कुमार चंदन, श्रेणिक चंदन, राजेंद्र दहिया और विजय कुमार संघवी के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया है। पवन कुमार चंदन का बिल्ड विल्ड डेवलपर्स नाम का रियल एस्टेट का व्यवसाय है। इस फॉर्म में चंदन कुमार का बेटा श्रेणिक चंदन उनका पार्टनर है लेकिन इस कंपनी का काम राजेंद्र दहिया देखते हैं साल 2006 और 2007 में पवन कुमार और राजेंद्र दहिया इन्होंने चंदन हाइट्स नाम के एक प्रोजेक्ट को गिरगांव में लॉन्च किया। उनके पास प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए पैसे नहीं थे तब पवन कुमार से 3 करोड़ 40 लाख रुपया मदद के तौर पर मांगा और इस बिल्डिंग के सभी फ्लैट बेचने की जवाबदारी देने की बात कही जिस वजह से शिकायतकर्ता ने अपने रिश्तेदारों के पास से 2 करोड़ 40 लाख कांतिलाल शाह के पास से एक करोड़ लेकर कुल 3 करोड़ 40 लाख रुपया चंदन हाइट्स को दिया बदले में 8 फ्लैट देने की बात तय हुई

प्रोजेक्ट जब शुरू था तभी पवन कुमार ने 2009 और 2010 में कुछ फ्लैट को बेचना शुरू कर दिया शिकायतकर्ता ने जब इस बारे में पूछा तो पवन कुमार ने उल्टा जवाब दिया कि मेरी बिल्डिंग है मैं ही फ्लैट भेजूंगा उसके बाद पवन कुमार से उनका विवाद बढ़ता चला गया। 28 मार्च 2013 को भोलाराम भागचंद बिश्नोई पीड़ित को समझौता करवाने के लिए पवन कुमार के ऑफिस ले गए उस समय पवन कुमार और उनका लड़का श्रेणिक व राजू दहिया सभी मौजूद थे, सभी के सामने एक कंसेंट एग्रीमेंट बनाकर हस्ताक्षर कराया गया। जिसमें कुल 12 फ्लैट देने की बात कही गई थी वर्ष 2022-23में इमारत बनकर तैयार हो गई लेकिन उक्त चारों आरोपियों ने सभी फ्लैट बेचकर शिकायकर्ता को 60 करोड़ का नुकसान पहुंचाया। जिसके बाद पीड़ित ने मामला दर्ज करा दिया।

मालाड पश्चिम मेट्रो रेलवे स्टेशन का नाम बदला

अब मोतीलाल ओसवाल मालाड पश्चिम मेट्रो स्टेशन हुआ

मुंबई: मालाड पश्चिम मेट्रो रेलवे स्टेशन अब मोतीलाल ओसवाल मालाड पश्चिम मेट्रो स्टेशन हो गया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशल सर्विसेज ने मेट्रो स्टेशन के स्टेशन ब्रैंडिंग अधिकार मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से लिया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशल सर्विसेज के ग्रुप एमडी और सीईओ मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि मालाड वेस्ट मेट्रो स्टेशन के लिए स्टेशन ब्रैंडिंग अधिकारों का अधिग्रहण हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि संस्थान के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह कंपनी की मुंबई में स्टेशन ब्रैंडिंग अधिकार हासिल करने की पहली पहल है।

मेट्रो का यह स्टेशन मेट्रो-2ए कॉरिडोर का स्टेशन है। एमएमआरडीए से कंपनी ने पांच साल के लिए ब्रैंडिंग का अधिकार लिया है, जिसके एवज में एमएमआरडीए को 15.25 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नाबालिग हत्यारा भी मासूम!

पुणे में एक बेहद त्रासद हादसा हुआ है, जिसने समाज, कानून और मान्यताओं को बेनकाब कर दिया है। बड़े बाप की औलाद होना पाप नहीं है, लेकिन बिगड़ैल और हत्यारा तक होना आपराधिक है। पुणे में एक 17 वर्षीय नाबालिग, बिगड़ैल किशोर ने दो होनहार साफ्टवेयर इंजीनियरों को 2 करोड़ रुपए की कार से कुचल कर मार डाला। करीब 25 वर्षीय जिंदगियों पर एकदम विराम लग गया। दो घरों के चिराग बुझ गए, लिहाजा उनके दुख और सदमे को महसूस ही किया जा सकता है, लेकिन समाज, जेल, कानून उस नाबालिग को 'मासूम' ही मान रहे हैं, क्योंकि वह 18 साल का नहीं था। जेल में उस 'हत्यारे नाबालिग' से सडक दुर्घटना पर 300 शब्दों का निबंध लिखवाया जाता है और करीब 15 घंटे में अदालत से उसकी जमानत भी हो जाती है! संविधान के किस पन्ने पर और किस अनुच्छेद में यह लिखा है कि कोई किसी की जान लेने का जघन्य अपराध करे, लेकिन निबंध लिखवा कर ही उसे जमानत दे दी जाए? कानून वाकई अंधा होता है, क्योंकि वह सिर्फ सबूत देखता है, हकीकत को नहीं जानता! नबालिग हत्यारे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, कार का पंजीकरण नहीं था, लेकिन वह एक बेशकीमती कार दनदनाते हुए चला रहा था, क्योंकि वह 600 करोड़ रुपए की कंपनी के मालिक, बिल्डर का बेटा था! क्या कानून के सामने ये साक्ष्य नहीं थे? क्या अमीर, बिल्डर बाप बराबर का दोषी नहीं है, जिसने 2 करोड़ रुपए की कार नाबालिग बेटे को खरीद कर दी? उस उच्छृंखल बालक ने सार्वजनिक सडक को 'बंगले का आंगन' समझ लिया और दो युवाओं को कुचल कर मार दिया। नाबालिग आरोपित को हिरासत में पिज्जा, बर्गर और बिरयानी आदि भोज परोसे गए, तो वह खातिरदारी भी 'बड़े बाप की औलाद' होने के कारण की गई। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि नाबालिग अपराधी ने कार से दो युवा इंजीनियरों को कुचलने से पहले पब, बार में करीब दो घंटे तक, दोस्तों के साथ, खूब शराब पी, जिसका बिल 48,000 रुपए आया और भुगतान भी नाबालिग के क्रेडिट कार्ड से किया गया।

क्या बैंक नाबालिगों के क्रेडिट कार्ड भी बनाते हैं? गंभीर सवाल तो यह है कि मेडिकल परीक्षण में शराब पीने का सच क्यों नहीं सामने आया? क्या डॉक्टर भी बड़े बाप के सामने 'बिक' गए? उस त्रासद हादसे के बाद यह तथ्य सामने आया है कि उस नाबालिग ड्राइवर ने शराब पी रखी थी, लिहाजा दोस्तों और पब वालों को भी हिरासत में लिया गया है। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के न्याय पर तरस आता है कि उसने हत्या की सजा निबंध लिखना ही तय की! क्यों न इसे भी संविधान में जोड़ लिया जाए? यही कारण है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस को हस्तक्षेप कर पुलिस आयुक्त को निर्देश देने पड़े। अब उच्च न्यायालय में नाबालिग पर केस बालिग मान कर ही चलाया जाएगा। हमें भी अदालत के आदर्श न्याय का इंतजार रहेगा। यह कोई इकलौता मामला नहीं है। एक मामले में बीएमडब्ल्यू कार से तीन पुलिसकर्मी मार दिए गए थे। अपराधी की अमीरी ने चश्मदीदों को 5-5 करोड़ रुपए की घूस देकर उनकी सच्चाई ही खरीद ली थी, लेकिन बाद में किसी परम शक्ति ने ही सारे भेद खोल दिए और उन ऐयाश अमीरों को सजा हुई। राजधानी दिल्ली में नशेडि ों ने कार फुटपाथ पर सोए 'बेचारों' पर ही चढ़ा कर उन्हें कुचल दिया। अदालत में ये दलीलें भी दी गईं कि क्या फुटपाथ सोने के लिए होता है? बहरहाल देश में लाखों सडक दुर्घटनाएं होती हैं और लाखों ही जिंदगी गंवाते हैं, लेकिन ऐसे मामले बेशुमार दौलत, नव अमीरी और गरीबों को कीड़े-मकौड़े समझने की संस्कृति की देन ही हैं। जब तक देश में आर्थिक असमानता, विलासिता मौजूद रहेंगे और कानूनों में संशोधन नहीं किया जाएगा, तब तक घरवालों को अचानक दुखद समाचार सुनने को विवश होते रहना पड़ेगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

पति से झगड़े के बाद बेटी की हत्या!

शव को लेकर लगभग चार किमी तक सड़कों पर घूमती रही

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर शहर में ट्विंकल राऊत (23) नाम की महिला ने पति के साथ झगड़े के बाद तीन साल की बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद वह बेटी के शव को लेकर लगभग चार किमी तक सड़कों पर घूमती रही। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सोमवार शाम को एमआईडीसी पुलिस थाने के तहत हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। यहां से उसे 24 मई तक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी ट्विंकल और उसका पति लक्ष्मण राऊत (24) कागज का सामान बनाने वाली कंपनी में काम करते हैं।

चार साल पहले रोजगार की तलाश में दोनों नागपुर आए थे। दंपती में अक्सर शक की वजह से झगड़े होते रहते थे। सोमवार को भी करीब चार बजे दोनों में झगड़ा हुआ। इस बीच उनकी बेटी रोने लगी।

गुस्से में ट्विंकल बेटी को घर से बाहर ले गई और पेड़ के नीचे उसकी गला दबा हत्या कर दी। वह बेटी के शव के साथ सड़कों पर फिरती रही। रात आठ बजे उसने पुलिस गश्ती वाहन देखा और पुलिसकर्मियों को हत्या की बात बताई। पुलिस बच्ची को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कुत्ते के मुंह में फंसा प्लास्टिक का जार, तीन घंटे बाद बचाया...

डोंबिवली : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र में बुधवार को एक आवारा कुत्ते के मुंह में प्लास्टिक का जार फंस गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों को एक पूर्व पार्षद की मदद लेनी पड़ी। जिसने एनजीओ पेट एनिमल वेलफेयर सोसाइटी से संपर्क किया। सूचना पर स्वयंसेवक घटनास्थल पर पहुंचे। करीब तीन घंटे बाद जार को खोलकर कुत्ते को बचाया जा सका।

बिल्डर से मिलने से रोकने पर हिस्ट्रीशीटर ने गार्ड को चाकू मारा

मुंबई : पवई इलाके में हिस्ट्रीशीटर लालू उर्फ मुबारक मोमिन खान ने 30 वर्षीय सुरक्षा गार्ड इमरान अकबर खान पर चाकू से हमला कर इसलिए घायल कर दिया, क्योंकि गार्ड ने हिस्ट्रीशीटर और उसके भाई अमीन पठान को बिल्डर से मिलने की अनुमति नहीं दी थी। दोनों भाई बिल्डर से मिलकर उससे वसूली करना चाहते थे। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों भाई मौके से फरार हो गए।

पवई पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घायल सुरक्षा गार्ड इमरान को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पवई पुलिस ने लालू के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि लालू पहले से ही कई एफआईआर का सामना कर रहा है, जबकि अमीन महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी है। उन्होंने कहा कि हमलावर को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

रियलिटी शो में नौकरी का लालच देकर महिला से दुष्कर्म...

वसई : जिले में रियलिटी शो में नौकरी का लालच देकर एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने गुजरात की महिला से दुष्कर्म किया। बाहरी इलाके वसई निवासी आनंद सिंह ने सोमवार और मंगलवार को घटना को अंजाम दिया। शिकायत पर पुलिस ने बुधवार को व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, तुलिंज पुलिस को दी गई शिकायत में सूरत की 26 वर्षीय महिला ने कहा कि सिंह ने यह कहते हुए मुंबई बुलाया कि वह उसे एक लोकप्रिय रियलिटी शो में काम दिलाएगा। जब वह मुंबई पहुंची तो आनंद उसे नालासोपारा में मोरे तलाओ के पास अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अधिकारी ने बताया कि जब उसने विरोध किया तो सिंह ने महिला की पिटाई की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

सार्वजनिक जल स्त्रोतों के पास नए बोरवेल पर प्रतिबंध

छत्रपति संभाजीनगर : महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिला प्रशासन ने मौजूदा सार्वजनिक जल स्त्रोत के 500 मीटर के दायरे में नए बोरवेल या कुएं खोदने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलक्टर दिलीप स्वामी ने पानी की उपलब्धता और गर्मी के दौरान जलापूर्ति बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले के 412 गांव और 61 बस्तियों में 678 टैंकर पानी की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि प्रशासन ने 285 गांव में पानी की आपूर्ति के लिए 346 कुओं का अधिग्रहण किया है।

कलेक्टर ने कहा, पीने का पानी उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। जिन क्षेत्रों में पानी की कमी है, वहां निर्माण कार्य 15 जून तक रोक दिए जाने चाहिए। हमने छत्रपति संभाजीनगर जिले से बाहर चारे के परिवहन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

महारेरा ने दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर 20,000 रियल एस्टेट एजेंटों का पंजीकरण निलंबित कर दिया...

मुंबई: महाराष्ट्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (महारेरा) ने लगभग 20,000 रियल एस्टेट एजेंटों का पंजीकरण एक साल के लिए निलंबित कर दिया है जो प्राधिकरण द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा करने में विफल रहे। कार्रवाई के प्रमुख कारकों में से एक नियामक प्राधिकरण की वेबसाइट पर योग्यता प्रमाणपत्र अपलोड न करना भी शामिल है।

1 जनवरी, 2024 से, रियल एस्टेट एजेंटों को प्रशिक्षण से गुजरना, परीक्षा उत्तीर्ण करना और प्राधिकरण द्वारा विस्तृत विवरण के अनुसार अपना प्रमाणपत्र पंजीकृत करना अनिवार्य है, अन्यथा वे व्यवसाय करना जारी नहीं रख पाएंगे। महारेरा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यदि वे प्रशिक्षण पूरा कर लेते हैं, योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त कर लेते हैं और उसे एक वर्ष के भीतर पोर्टल पर अपलोड कर देते हैं, तो उनका लाइसेंस नवीनीकृत कर दिया जाएगा।

जो लोग निर्धारित समय के भीतर प्रक्रिया पूरी करने में विफल रहेंगे, उनका पंजीकरण एक वर्ष के बाद रद्द कर दिया जाएगा। इसके बाद, अगले छह महीनों तक, वे नए पंजीकरण के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे, जिसका मतलब रियल एस्टेट लेनदेन में सौदा करने में असमर्थ होना है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इन दिशानिर्देशों की घोषणा हाल ही में महारेरा द्वारा एक परिपत्र के माध्यम से की गई है।

यह कहते हुए कि एक एजेंट रियल एस्टेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, महारेरा के अध्यक्ष, अजॉय मेहता ने कहा, ''एजेंट एक घर खरीदार और एक डेवलपर के बीच की कड़ी हैं क्योंकि खरीदार अक्सर पहले उनसे संपर्क करते हैं। आमतौर पर, एक संभावित घर खरीदार को इन एजेंटों से सीधे प्राथमिक परियोजना संबंधी जानकारी प्राप्त होती है। इसलिए,

रियल एस्टेट एजेंटों के लिए रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 विनियमन से अच्छी तरह वाकिफ होना आवश्यक है। ''उन्हें परियोजना और उद्योग के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकार होना चाहिए, जैसे कि डेवलपर की विश्वसनीयता और परियोजनाओं के बारे में, भूमि शीर्षकों की वैधता, आरईआरए-अनुपालक कालीन क्षेत्र, प्राप्त प्रारंभ प्रमाण पत्र और स्थानीय अधिकारियों से अनुमोदन। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि डिफॉल्ट, डेवलपर्स की वित्तीय स्थिति और संबंधित मामलों पर विवरण कैसे प्राप्त किया जाए। इस सारी जानकारी के आधार पर, ग्राहक संपत्ति खरीदने के बारे में सूचित निर्णय ले सकते हैं, ''मेहता ने कहा। ''इसलिए, महारेरा ने एजेंटों के लिए प्रशिक्षण लेना, परीक्षा पास करना और प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया है। यह निर्णय 10 जनवरी, 2023 को लिया गया था और 1 जनवरी, 2024 को सभी एजेंटों के लिए बाध्यकारी होने से पहले इसे कई बार बढ़ाया गया था। इसके बावजूद, काम करने वाले लगभग 20,000 एजेंट अभी भी अयोग्य हैं और उनकी मंजूरी रद्द कर दी गई थी। महारेरा उन डेवलपर्स का पंजीकरण रद्द करने में संकोच नहीं करेगा जो अयोग्य एजेंटों के साथ जुड़ना जारी रखेंगे। डेवलपर्स को इस चेतावनी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए,'' उन्होंने कहा। 1 मई, 2017 को अपनी स्थापना के बाद से लगभग 47,000 एजेंटों को महारेरा के साथ पंजीकृत किया गया है। इस साल की शुरूआत में, महारेरा ने अपने लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करने के लिए 13,785 एजेंटों का पंजीकरण रद्द कर दिया था। पहले से पंजीकृत कई लोगों ने महारेरा से अपील की कि वे विभिन्न आधारों पर एजेंट के रूप में अपना पंजीकरण समाप्त करना चाहते हैं। रियल एस्टेट एजेंटों को सिस्टम से बाहर निकलने की अनुमति देने की वास्तविक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, महारेरा ने डी-पंजीकरण प्रक्रिया की भी घोषणा की है। इसके लिए व्यक्तियों को एक निर्धारित प्रारूप में निदेशक (पंजीकरण), महारेरा को dereg.geft@gmil.com पर आवेदन करना होगा। हालाँकि, खुद को डी-रजिस्टर्ड कराने के लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। उदाहरण के लिए, आवेदक को किसी भी परियोजना के लिए प्रमोटरों द्वारा उनके अधिकृत रियल एस्टेट एजेंट के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया जाना चाहिए। व्यक्ति के विरुद्ध कोई भी शिकायत लंबित नहीं होनी चाहिए। उन्हें अपने डी-पंजीकरण आवेदन की तारीख से ठीक पहले, पिछले दो वर्षों के दौरान सुगम किए गए लेनदेन की वार्षिक रिपोर्ट जमा करनी चाहिए थी। यदि प्रस्तुत नहीं किया गया है, तो उन्हें अपने लेटरहेड पर इसे जमा करने में असमर्थ होने का कारण बताना चाहिए, विज्ञप्ति में कहा गया है और कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति एक रियल एस्टेट एजेंट के खिलाफ शिकायत दर्ज करता है, जिसके डी-पंजीकरण आवेदन की अनुमति है, पीड़ित व्यक्ति महारेरा से संपर्क कर सकता है और प्राधिकरण आवश्यक निर्णय लेगा जो संबंधित एजेंट के लिए बाध्यकारी होगा।

आवारा कुत्ते ने तीन साल के बच्चे को बुरी तरह नोचा... इलाज के दौरान हुई मौत!

नागपुर : जानवर और इंसान का याराना कोई नहीं बात नहीं है. यही वजह है कि कई बार ऐसी दिल जीतने वाली कहानियां सामने आती है, जो हर किसी का दिल जीत लेती है. लेकिन पिछले दिनों से देशभर में कुत्तों के काटने से कई लोगों

की जान चली गईं. इनमें कई मासूम बच्चे भी शामिल है. इन घटनाओं से कई जगहों पर लोग काफी गुस्से में दिखे हैं क्योंकि कुत्तों के काटने मामले लगातार चिंता का सबब बनते जा रहे हैं.

कुत्ते के हमले में तीन साल के बच्चे की मौत!

अब हाल ही में महाराष्ट्र के नागपुर से ऐसी ही एक दुखद खबर आई है. जहां नागपुर जिले के मौदा कस्बे में एक आवारा कुत्ते के हमले में तीन वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि वंश अंकुश शहाणे मंगलवार को अपने घर के बाहर खेल रहा था कि तभी एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया. उसके परिवार के सदस्य उसे सरकारी अस्पताल ले गए लेकिन बच्चे ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया.

कुत्ते ने बच्चे को बुरी तरह नोचा

मौदा पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मुकदमा दर्ज किया. मौदा के गणेश नगर इलाके में मंगलवार देर रात आवारा कुत्तों के एक झुंड ने एक तीन साल के बच्चे के पैरों और हाथों को बुरी तरह नोच डाला. यहां तक कि बच्चे की गले की नस को फाड़ दिया, जिससे खून बह रहा था. कुत्ते के इस हमले में बुरी तरह घायल बच्चा बेहोश हो गया.

मुंबई के मझगांव इलाके में नाबालिग की मोटरसाइकिल की चपेट में आने से 32 वर्षीय व्यक्ति की मौत!

मुंबई : मुंबई के मझगांव इलाके में गुरुवार सुबह एक नाबालिग ने कथित तौर पर अपनी मोटरसाइकिल से 32 वर्षीय एक व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान इरफान नवाब अली शेख के रूप में की गई है, जिसे एक बाइक ने टक्कर मार दी थी, जिसे 15 साल का एक नाबालिग चला रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बुरी तरह घायल हो गया था और उसे इलाज के लिए जेजे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुंबई पुलिस ने बताया कि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है.

पुलिस ने नाबालिग को उसके पिता सहित हिरासत में ले लिया है और आईपीसी की धारा 304(2) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 3,4 के तहत मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच चल रही है. ऐसा कुछ दिनों बाद हुआ है जब 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर में हुई दुर्घटना में मध्य प्रदेश के दो युवा आईटी पेशेवरों, जिनकी पहचान अश्विनी कोष्टा और अनीश अवधिया के रूप में हुई है, की मौत हो गई थी। कथित तौर पर, 17 वर्षीय नाबालिग ने बाद में अपनी कार दुर्घटनाग्रस्त कर दी थी। पुणे में लग्जरी कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत आरोपी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने कहा कि किशोर न्याय बोर्ड यह तय करेगा कि इस सप्ताह की शुरूआत में अपनी लक्जरी रेस कार से दो लोगों को कुचलने में शामिल किशोर पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाया जाना चाहिए या नहीं।

बुधवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए आरोपी के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा, ''किशोर न्याय अधिनियम में यह निर्धारित करने की प्रक्रियाएं हैं कि कानून के साथ संघर्ष में आरोपी बच्चे (सीसीएल) को नाबालिग या वयस्क माना जाए या नहीं। इसमें लगभग 90 दिन लगते हैं।'' इस प्रक्रिया का संचालन करें।'' वकील के अनुसार, व्यक्ति को इन प्रक्रियाओं के लिए पुनर्वास में रहने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जांच आगे की जाती है। पाटिल ने कहा कि किशोर न्याय बोर्ड नियमित रिपोर्टों और शिकायत रिपोर्टों के माध्यम से मूल्यांकन की निगरानी करता है और लगभग 90 दिनों के बाद निर्णय लेता है कि नाबालिग या सीसीएल को वयस्क के रूप में माना जाए या नहीं।

नदी में डूबे व्यक्ति की तलाश में गए SDRF टीम की नाव पलटी, स्थानीय सहित टीम के 3 सदस्यों की मौत; दो अन्य की तलाश जारी

अकोले: इस समय महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक खबर दिल दहला देने वाली है। अकोले तालुका के सुगांव गांव के पास उझानी जलाशय में नाव पलटने की ताजा खबर है। प्रवरा नदी में डूबे व्यक्ति की तलाश कर रही एसडीआरएफ की नाव पलट गई है और टीम के चार सदस्यों समेत एक स्थानीय व्यक्ति के डूबने से महाराष्ट्र हिल गया है। इस बारे में अधिक जानकारी यह है कि एक व्यक्ति प्रवरा नदी में डूब गया था। एसडीआरएफ की टीम द्वारा उसकी तलाश शुरू की गयी। जब तलाशी अभियान चल ही रहा था तभी नाव पलटने से 1 स्थानीय नागरिक समेत टीम के चार सदस्य डूब गये। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अकोले तालुका के सुगांव गांव के पास हुई।

एसडीआरएफ टीम के तीन सदस्यों की मौत

एसडीआरएफ टीम के तीन सदस्यों की मौत हो गई है और दो अन्य की तलाश जारी है, पूर्व राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट घटनास्थल पर पहुंचे हैं। प्रांत पदाधिकारी शैलेश कुमार हिंगे ने जानकारी दी है कि प्रशासन दोनों को ढूंढने का प्रयास कर रहा है।

वास्तव में क्या हुआ?

कल जब दो लोग नदी में तैरने आये तो दोनों डूब गये। इनमें से एक का शव मिल गया और दूसरे का शव ढूंढने के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम ने सुबह छह बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस बार दुर्भाग्यवश एसडीआरएफ की नाव पानी में पलट गयी। पांच लोग डूब गए हैं और तीन की मौत हो गई है। हिंगे ने यह भी कहा है कि एक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक की तलाश की जा रही है।

ठाणे में टैंक से पानी निकालते समय करंट लगने से महिला की मौत

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक टंकी से पानी निकालते समय करंट लगने से 41 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना दिवा इलाके के साबे गांव में बुधवार दोपहर की है मुंब्रा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि महिला एक चॉल में रहती थी और वहां एक टैंक से पानी निकाल रही थी, तभी उसे बिजली का झटका लगा और वह गिर गई।

उन्होंने बताया कि कुछ लोग उसे कलवा के एक अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है और फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है। क्षेत्र में बिजली आपूर्ति करने वाली एक निजी कंपनी के प्रवक्ता से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने दावा किया कि महिला जिस पानी के पंप का उपयोग कर रही थी, उसमें संभवतः कोई खराबी होगी। एक अधिकारी ने कहा कि पानी की कमी के कारण, कई लोग पानी के लिए पंपों का उपयोग कर रहे हैं और वे सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते हैं।

मुंबई में और बढ़ेगी हीटवेव की मार... मौसम विभाग का अलर्ट, जानें कब होगी बारिश

मुंबईः मुंबई में भले ही चुनावी गर्मी खत्म हो गई हो लेकिन मौसम की गर्मी से जनता को राहत नहीं मिली है। जानकारों के मुताबिक आने वाले कुछ दिन मुंबई वालों को और हीटवेव की मार पड़ने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार मुंबई का तापमान 36 डिग्री को पार कर सकता है। जिसको लेकर अगले चार दिनों तक मुंबई के लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मुंबई में बुधवार को कोलाबा केंद्र पर तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस और सांताक्रूज केंद्र पर 34.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

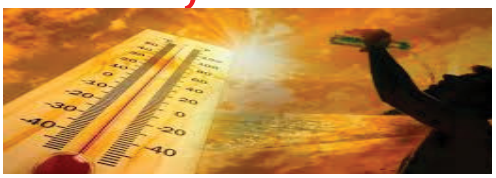

समय से चल रहा मानसून

जहां तक बेसब्री से इंतजार किए जाने वाले मानसून की बात है, तो दक्षिण पश्चिम मानसून हवाओं के 20 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है। इसके बाद मानसून के 31 मई तक केरल पहुंचने की उम्मीद है। अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो मौसम विभाग का अनुमान है कि मानसून 6 जून तक कोंकण में प्रवेश करेगा। मुंबई में 10 के तक बारिश होने की संभावना है। जानकारों के मुताबिक मुंबई की भीषण गर्मी के पीछे मुख्य कारण उच्च आर्द्रता और असामान्य रूप से उच्च तापमान का संयोजन है। समुद्र से आने वाली पछुआ हवाओं से उत्पन्न आर्द्रता, गर्मी को बढ़ा देती है, जिससे हवा भारी महसूस होती है और तापमान और भी बढ़ जाता है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना बंगाल की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण से तीव्र होती है, जो नम हवाओं को भारत के पश्चिमी तट की ओर ले जाती है।

लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जारी किया है कि अगले 4 दिनों में मुंबई शहर के तापमान 36 डिग्री सेल्सियस को क्रॉस कर सकता है। ऐसे में मौसम विभाग ने सलाह दी है कि दोपहर के वक्त धूप से बचने की जरूरत है। जबकि जालना, बीड, नादेड़, धाराशिव और परभणी जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली और गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। साथ ही अगले चार से पांच दिनों तक विदर्भ में तूफानी बारिश की आशंका भी व्यक्त की गई है।

सावधानी और उपाय

गर्मी जब 36 डिग्री के ऊपर जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ऐसे में डॉ. भरत तिवारी ने कहा कि कुछ छोटे-छोटे उपाय कर हम खुद को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों की तुलना में इतना तापमान बहुत ज्यादा नहीं होता। मगर मुंबई में उमस ज्यादा होने की वजह से पसीना ज्यादा आता है। ऐसे में समय समय पर पानी पीते रहें। ताकि डिहाइड्रेशन ना हो। जितना संभव हो हल्का भोजन लें। शरीर में पानी की कमी ना इसलिए जूस और लिक्विड डाइट इस समय ज्यादा बेहतर विकल्प है। बॉडी को हाईड्रेड (पानी युक्त) रखना बहुत जरूरी है। अनावश्यक धूप में जाने से बचे।

मुंबई में गैस्ट्रो के बाद हेपटाइटिस ने बढ़ाई मुसीबत, दूषित पानी और बर्फ वाले आइटम बने वजह, कैसे करें बचाव...?

मुंबईः महानगर में गैस्ट्रो के साथ - साथ हेपटाइटिस ए और ई भी सिर उठा रहा है। बीएमसी से मिले आंकड़ों के अनुसार अप्रैल महीने में बीएमसी अस्पतालों में रोजाना 2 लोग उक्त बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राइवेट अस्पतालों में भी कई मामले देखने को मिल रहे हैं। हेपटाइटिस ए और ई होने के पीछे प्रमुख कारण है दूषित पानी का सेवन। इस उमस भरी गर्मी में लोग रोड पर नींबू सरबत, गन्ने का जूस सहित अन्य बर्फ युक्त पेय पदार्थों का सेवन करते हैं। अब कौनसे पानी से शरबत बनाया जा रहा है, जूस में इस्तमाल होने वाला बर्फ स्वच्छ पानी से बना है या नहीं

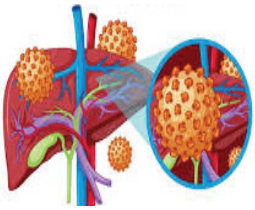

या फिर उसे स्वच्छ जगह रखा है या नहीं इस पर कोई गैर नहीं करता। यदि स्वच्छता नहीं रखी गई हो तो उसमें ई कोलाई बैक्टेरिया पानी या बर्फ को दूषित बना देते हैं। नतीजन उक्त दूषित पानी पीने के बाद हेपटाइटिस होने का खतरा बढ़ जाता है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार फरवरी में हेपटाइटिस में 34 मामले रिपोर्ट हुए थे, लेकिन अप्रैल महीने 66 लोग हेपटाइटिस से ग्रसित हुए। प्राइवेट अस्पतालों में भी डॉक्टरों को हेपटाइटिस के मामले में वृद्धि होने की बात कह रहे हैं। पीडी हिंदुजा अस्पताल के कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. पवन ढोबले ने बताया कि हेपटाइटिस ए और ई के मामले बढ़ रहे हैं। 12 से 15 केसेस ओपीडी में आ रहे हैं। केवल बाहर के पानी नहीं बल्कि कई बार यह पाया गया है कि बीएमसी के जल आपूर्ति के लाइन में चोरी और लीकेज होते हैं, जिसके चलते अच्छे पानी के साथ दूषित पानी भी मिल जाता है।

महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के बयान ने बढ़ाई NDA की टेंशन? कहा- 'इस बार टक्कर...'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में 48 लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत ईवीएम में बंद हो गयी है. ऐसे में अब सभी नेताओं और कार्यकताओं को 4 जून के नतीजे का इंतजार है. महायुति नेता लगातार यह विश्वास जता रहे हैं कि वे 40 से ज्यादा सीटें जीतेंगे. खास तौर पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी विश्वास जताया है कि महागठबंधन उतनी ही सीटें जीतेगा जितनी पिछले चुनाव में जीती थी. तो वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने महागठबंधन की शानदार जीत का भरोसा जताया है. एबीपी माझा के

मुताबिक हालांकि, अब केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने अलग आंकड़ा बताया है. अठावले ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में घमासान मचा हुआ है. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव का सियासी गणित पेश करते हुए कहा, ''इस साल महाराष्ट्र में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली है. मुझे लगता है कि महाराष्ट्र में 35 से 40 सीटों पर महायुति की जीत होगी. दिलचस्प बात यह है कि कल ही राष्ट्रीय समाज पक्ष के प्रमुख महादेव जानकर ने अपना विश्वास जताया था कि महायुति को महाराष्ट्र में 42 सीटों पर जीत हासिल होगी.

बहरहाल महायुति की टेंशन बढ़ गई है क्योंकि उनके ही महागठबंधन में शामिल पार्टी के नेता रामदास अठावले ने 35 से 40 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की है. महाराष्ट्र में इस साल हुए लोकसभा चुनाव की भविष्यवाणी करना हर किसी के लिए मुश्किल हो गया है. इसलिए महाराष्ट्र में महागठबंधन को कितनी सीटें मिलेंगी इसका सही अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है. लेकिन, दोनों मोर्चों के नेताओं को भरोसा है कि वे सबसे ज्यादा सीटें जीतेंगे. शिवसेना और एनसीपी के बीच विभाजन के बाद राज्य में यह पहला बड़ा चुनाव है. इसलिए देश की नजर महाराष्ट्र में सियासी बदलाव पर टिकी है. इसमें अब मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी की जाती है.

मुंबईः जल संकट गहराया, झील का स्तर गिरकर 10.67% हुआ

मुंबईः सात झीलों में पानी का कुल भंडार अब घटकर 10.67% रह गया है, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में सबसे कम है। हालांकि राज्य सरकार ने भाटसा और ऊपरी वैतरणा झील से अतिरिक्त जल भंडार आवंटित किया है, लेकिन झीलों में घटते स्तर ने नागरिक अधिकारियों को चिंतित कर दिया है। एक वरिष्ठ नागरिक अधिकारी ने कहा, हालांकि, फिलहाल पानी में कटौती की कोई योजना नहीं है, स्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

नगर निगम अधिकारियों ने बुधवार को उपलब्ध जल भंडार की समीक्षा की। नागरिक अधिकारी के अनुसार, ''हम भाटसा और ऊपरी वैतरणा झीलों से राज्य सरकार द्वारा आवंटित 2.28 लाख मिलियन लीटर (एमएल) के अतिरिक्त स्टॉक का उपयोग कर सकते हैं। हमारी चिंता

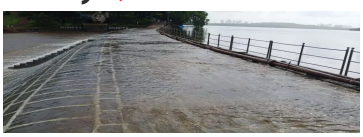

यह है कि वाष्पीकरण से पानी के बड़े पैमाने पर नुकसान से कैसे निपटा जाए और कम किया जाए। यदि स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है, हमें पानी में कटौती करनी होगी, ''सूत्रों के अनुसार, वाष्पीकरण के कारण झीलों के जलग्रहण क्षेत्र में पानी की हानि मुंबई की दैनिक आवश्यकता का लगभग 9% है।

नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी ने कहा, ''वर्तमान में, शहर में पानी में कटौती करने की कोई योजना नहीं है। लेकिन हम अगले सप्ताह समीक्षा करेंगे।'' पिछले साल जुलाई में अन्य झीलों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा होने तक बीएमसी ने ऊपरी वैतरणा झील के कुछ आरक्षित जल भंडार का उपयोग किया। साथ ही, एक महीने के लिए 10% पानी की कटौती लगाई गई थी, जिसे 9 अगस्त तक वापस ले लिया गया। सात झीलें शहर को प्रतिदिन 3,900 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति करती हैं। शहर को एक अक्टूबर को सात झीलों में 14.47 लाख एमएल पानी के स्टॉक की जरूरत है, जो पूरे साल के लिए पर्याप्त है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com